पानी के महत्व को समझो, कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी : कन्हैयालाल चौधरी

हनुमानगढ़, (कासं)। प्रधानमंत्री का विजन है कि जल जीवन मिशन में प्रत्येक घर तक प्रेशर के साथ पानी पहुंचे। जल जीवन मिशन में हुई अनियमितताओं की जांच करवाई जायेगी। कोताही बरतने वाले अधिकारियों को तुरंत निलंबित किया जायेगा। पेयजल जैसे पवित्र कार्यों में भी भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों को माफ नहीं किया जायेगा।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शनिवार को जिले के भादरा ब्लॉक में आयोजित समीक्षा बैठक में संबोधित करते हुए यह बात कही। चौधरी ने भादरा स्थित मोती पैलेस में श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले के पीएचईडी अधिकारियों की विभागीय समीक्षा बैठक ली।

मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि जनता मालिक है तथा जनता का ही पैसा है, इसका सदुपयोग बहुत जरूरी है। प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। पिलानी में पीएचईडी के अधिकारियों की बैठक ली गई। कार्य में कोताही बरतने वाले 2 जेईएन व 1 एईएन को तुरंत निलंबित किया गया था। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर यहां भी अधिकारी कोताही बरतेंगे, तो

भादरा में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने विभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

मुझे निलंबित करने में जरा भी संकोच नहीं होगा।

कन्हैयालाल चौधरी ने सभी अधिकारियों को क्षेत्र की समस्याओं का तकनीकी परीक्षण कर शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। मंत्री ने पुराने नलकूप एवं हैण्डपम्पों को विभाग के दिशा निर्देशानुसार दुरूस्त करने तथा सभी फिल्टर प्लांट व पंपिंग मशीनरी को आगामी सात दिनों में चैक कर दुरूस्त करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को कहा कि पाइपलाइन बिछाने के साथ-साथ रोड़ को तुरंत मोटरेबल किया जाए ताकि आमजन को कोई असुविधा न हो।

उन्होंने कहा कि आपणी योजना से जुडे गांवों में पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण हेतु शीघ्र निविदा को अंतिम रूप देकर कार्य शुरू करवाया जायेगा। जन समस्याओं के निस्तारण हेतु विभागीय तंत्र को सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में पेयजल से सबंधित समस्याओं का निस्तारण क्रमबद्ध रूप से किया जायेगा।

उन्होंने पीएचईडी अधिकारियों को कहा कि अवैध कनेक्शन में आपकी जिम्मेदारी तय होगी। अगर आपके कहने से कोई व्यक्ति अवैध कनेक्शन नहीं हटाता है या अवैध कनेक्शन करता है, तो उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाए। पाइपों को तोड़ना, छेड़खानी करना गैर जमानती अपराध है। मंत्री ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि मंत्री है, उन्होंने विधायकों से भी कहा कि वो अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

भादरा विधायक संजीव बेनीवाल ने कहा कि सिद्धमुख और अमर सिंह फीडर में भी पानी की सप्लाई 15-15 दिन रहती है। अगर इन दोनों को पेयजल परियोजना से जोड़ दिया जाए तो, भादरा शहर को पूरे 30 दिन पानी

- **अवैध कनेक्शन करने वालों पर एफ.आई.आर. दर्ज कराने के निर्देश दिए**

मिलेगा। जिससे शहर में पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो सकेगा। विधायक ने कहा कि कनाऊ और कुंजी ग्राम पंचायत के आठ गांव आपणी योजना, चुरू से जुड़े हुए है। उन्हें भी सिद्धमुख परियोजना की रसलाना वितरिका से पेयजल उपलब्ध करवाया जाए, जिससे इन गांवों में पेयजल का स्थाई समाधान हो सकेगा।

भादरा विधायक ने कहा कि जल जीवन मिशन में भारी गड़बडियां हुई, राजनीतिक भेदभाव हुए तथा गंभीर अनियमितताएं बरती गई है।

जिस कारण ढाणियों को वंचित कर दिया गया, जो अभी भी पेयजल का इंतजार कर रही है। जेजेएम में गांव की सड़कों को तोड़ा गया, जिनका पुनर्निर्माण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जेजेएम की रिवाइज स्कीम बनाई जाए, उसी अनुसार कार्य शुरू करवाकर लोगों को राहत दी जाए। प्रियंका बेलाण ने कहा कि नहरों में जो केमिकल आ रहा है, उसके दुष्प्रभाव से पूरे के पूरे गांव कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। गांव में पेयजल का फिल्ट्रेशन बहुत कम है।

पांच पदों का चार्ज एक अधिकारी के पास

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में शिक्षा विभाग का हाल ऐसा है कि पांच पदों का चार्ज एक ही अधिकारी के पास है।

सीडीईओ (मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी) पन्नालाल कड़ेला का तीन दिन पहले हनुमानगढ़ में सीडीइओ के पद पर तबादला हो गया। सीडीईओ का पद रिक्त होने पर अतिरिक्त चार्ज शिक्षा विभाग में सीनियर अधिकारी को दिया जाना था। डीईओ माध्यमिक का पद ढाई साल से पहले से ही खाली चल रहा है। इस कारण जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक गिरजेशकांत शर्मा को सीडीईओ का जार्च दिया गया।

अब डीईओ प्रारंभिक शर्मा के पास शिक्षा विभाग के जिला स्तर के पांच मुख्य पदों का चार्ज आ गया है। ऐसे में स्कूलों की मॉनिटरिंग, जिला स्तरीय अधिकारियों की मीटिंग, वीसी और विभागीय योजनाओं की मीटिंग सहित शिक्षा विभाग की अन्य योजनाओं की मॉनिटरिंग प्रभावित होगी।

जिले में वर्तमान में सीडीईओ का पद कड़ेला के रिलीव होते ही खाली हो गया। डीईओ (जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक), डाइट प्रिंसिपल, जिला सतत एवं साक्षरता अधिकारी व जिला समान परीक्षा संयोजक आदि के पद खाली हो चुके हैं।

शिक्षा विभाग जिला स्तरीय अधिकारियों की कमी से तो जूझ ही रहा है। ब्लॉ स्तर पर भी हाल ज्यादा अच्छे नहीं है। गंगानगर सहित नया जिला बना अनूपगढ़ सहित नौ ब्लॉक है।

सार-समाचार

'काव्य रंगत-शब्द संगत' का आयोजन

मासिक साहित्यिक श्रृंखला 'काव्य रंगत-शब्द संगत' को वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। प्रज्ञालय संस्थान एवं राजस्थानी युवा लेखक संघ की ओर से अपनी मासिक साहित्यिक श्रृंखला 'काव्य रंगत-शब्द संगत' की पांचवी कड़ी का आयोजन नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन में राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने कहा कि आज वैश्विक एवं बाजारवाद के दौर में मानव प्रकृति से कट रहा है। जबकि प्रकृति के सभी उपक्रम मानवीय जीवन और उसकी चेतना में अहम भूमिका निभाते है। वर्तमान में ऐसी जटिल स्थिति में प्रकृति पर केन्द्रित प्रति माह नव काव्य रचना का वाचन होना अपने आप में महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित तो है ही साथ ही एक साहित्यिक घटना भी। मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि डॉ. शंकरलाल स्वामी ने कहा कि ऐसे आयोजन मानव को प्रकृति से रूबरू तो कराते ही हैं। ऐसे आयोजन के माध्यम से समुन्द्र पर केन्द्रित रचनाओं से प्रकृति की विविध रंगों की सौरम से काव्य रसधारा का आस्वादन करना एक महत्वपूर्ण साहित्यिक अनुभव रहा। काव्य रंगत में समुन्द्र की सौरम और उसकी विभिन्न व्याख्या करते हुए कविता, गीत, हाइकू, गजल और चौपाई के माध्यम से शब्द की संगत में समुन्द्र के विभिन्न रूपों की रंगत कवि शायरों ने बिखेरी। अपनी काव्य रचना की प्रस्तुति देते हुए वरिष्ठ कवि कमल रंगा ने अपनी समुन्द्र पर केन्द्रित कविता में-समुन्द्र गजब है थारौ धीजौ/थूं जीवण दाता-थूं पालनहार.... प्रस्तुत कर समुन्द्र के वैभव को रेखांकित किया। काव्य रंगत में वरिष्ठ कवि डॉ. गौरीशंकर प्रजापत ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समुन्द्र के अनेक रंग व उपक्रमों को पेश करते हुए....खरी नदी खारो समुन्द्र...कविता पढ़ी।

जलदाय कर्मियों ने की सफाई

जलदाय विभाग के कार्यालयों में स्वच्छता अभियान में कार्मिकों ने सफाई कर घास फूस हटाया।

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार के स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत शनिवार को जलदाय विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता के निर्देशानुसार अधीक्षण अभियंता के अधीन सभी शहरी व ग्रामीण कार्यालयों में प्रातः 7 से 10 बजे तक सघन सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में भागीदारी निभाई। क्षेत्र व वृत्त कार्यालय में अधिशाषी अभिंयता बलबीर सिंह के नेतृत्व में अभियान चला और कांटेदार झाडियों और अनुपयोगी झाड़ झंखाड़ हटाए गए। पूरे कार्यालय परिसर में झाडू लगाकर सफाई की गई व कचरे का निस्तारण किया गया। सफाई कार्य में मुख्य लेखाधिकारी रामधन, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी बद्री नारायण गहलोत, सहायक अभियंता दीपक परीक, बाबूलाल, वरिष्ठ निजी सहायक मनीषा शर्मा, एम एण्ड ई सलाहकार जेजेएम योगेश बिस्सा आदि मौजूद थे। कचहरी परिसर में भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय प्रथम द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व सहायक महाप्रबंधक नीरज कुमार ने किया, जो उपमहाप्रबंधक अरबिंद कुमार भट्ट के मार्गदर्शन में संचालित हुआ। अभियान की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी मुख्य प्रबंधक, पब्लिक पार्क शाखा, महेंद्र प्रसाद मीणा ने संभाली। अभियान के दौरान कचहरी परिसर में सफाई की गई। प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर नगर निगम की कचरा संग्रहण ट्रॉली में डाला गया। इस अभियान में करनपाल सिंह भाटी ने बताया कि सफाई अभियान का उद्देश्य परिसर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाना था।

नशे से आजादी का लिया संकल्प

श्रीगंगानगर, (कासं)। नशा मुक्त भारत और जिला प्रशासन-पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में ऑपरेशन सीमा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को बीझबायला में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस दौरान उपस्थितजनों ने नशे से आजादी का संकल्प लेते हुए नशे के खिलाफ एकजुटता दिखाई। ऑपरेशन सीमा संकल्प 'ए प्रॉमिस फॉर ड्रग्स फ्री लाइफ' के तहत युवाओं में नशे के बढ़ते प्रचलन को रोकने एवं उनको अपने जीवन में अच्छे रोल मॉडल का चुनाव करने के लिए शहीद ए आजम भगत सिंह के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत जिला कलेक्टर डॉ. मंजू, एस. पी. गौरव यादव, सीओ संजीव चौहान ने की।

रिमोट से होगा रावण, कुंभकरण व मेघनाद के पुतलों का दहन

बीकानेर, (कासं)। धरणीधर खेल मैदान पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच दशहरा महोत्सव का आयोजन होगा। यहां 85 फीट ऊंचे रावण तथा 75-75 फीट ऊंचे कुंभकरण व मेघनाद के पुतलों का दहन होगा।

खेल मैदान के पास स्थित करीब 100 फीट ऊंचे धोरे पर होने वाला शूर्पणखा के पुतले का दहन आकर्षण का केन्द्र रहेगा। रिमोट से रावण, कुंभकरण व मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। दशहरा महोत्सव के लिए यहां पुतलों के निर्माण के साथ-साथ रावण के सोने की लंका भी बनाई जा रही है। उत्तरप्रदेश से आये कारीगर यहां दिन रात पुतलों के निर्माण में जुटे हुए है। दशहरा कमेटी के सदस्य भी अन्य तैयारियों में जुट गए है। दशहरा महोत्सव के दौरान शूर्पणखा के पुतले का भी दहन केवल धरणीधर खेल मैदान में होने वाले महोत्सव में ही होता है।

रावण, कुंभकरण, मेघनाद और शूर्पणखा के पुतलों को तैयार करने वाले कारीगर इस्लामुद्दीन का कहना है कि धरणीधर खेल मैदान दशहरा महोत्सव स्थल पर ऊंचे धोरे पर शूर्पणखा के

- **दशहरा महोत्सव के लिए पुतलों के निर्माण के साथ-साथ रावण के सोने की लंका भी बनाई जा रही है**

पुतले का दहन होगा। करीब 20 लम्बा शूर्पणखा का पुतला बनाया जा रहा है। दशहरा के दिन शूर्पणखा के पुतले के दहन के दौरान उसके मुंह से चिंगारियां निकलेगी। पुतले में 300 बम लगाये जा रहे है। इनकी आवाज हर किसी को रोमांचित करेंगी। ऊंचे धोरे पर ही शूर्पणखा का दहन होगा।

धरणीधर खेल मैदान में होने वाले दशहरा महोत्सव के लिए 85 फीट ऊंचे रावण, 75-75 फीट ऊंचे कुंभकरण व मेघनाद के पुतलों को तैयार किया जा रहा है। 15 गुणा 30 फीट आकार की रावण की लंका तैयार की जा रही है। पुतलों के दहन के दौरान रावण के पुतले का दहन रिमोट सिस्टम से होगा। पहले जलेगा फिर रूकेगा व फिर से अपने आप जलना शुरू हो जायेगा। मुंह से चिंगारियां निकलेगी। सीने पर चकरी चलेगी।

श्री धरणीधर दशहरा कमेटी की बैठक अध्यक्ष देवकिशन चांडक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में दशहरा महोत्सव की विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई। कार्यक्रम समन्वयक आनंद जोशी के अनुसार महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होगी।

बैठक में दर्शकों के बैठने, ध्वनि, सजावट, जल, मंच, पार्किंग, सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां पदाधिकारियों व सदस्यों को सौंपी गई। कमेटी से जुड़े दुर्गाशंकर आचार्य के अनुसार रावण के पुतले के दहन से पहले 108 हनुमान चालीसा पाठ होंगे। शस्त्र पूजन भी होगा। कमेटी के सरंक्षक एवं संयोजक राजेश चूरा ने सामुदायिक भागीदारी के लिए अपील की। बैठक में नरेश आचार्य, किशोर आचार्य, जितेन्द्र आचार्य, जगमोहन आचार्य आदि ने महोत्सव आयोजन की तैयारियों पर सुझाव रखे।

पी.एम.आवास की राशि खाते में जमा

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत शनिवार को नगर परिषद परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गंगानगर विधायक जयदीप बिहाणी ने जरिये लाईव टेलीकास्ट कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी पीएमएवाई योजना के तहत लाभार्थियों को कच्चे मकान की जगह पक्का मकान मिला है। जो परिवार इस योजना के तहत पात्र है और योजना से वंचित हैए सर्वे कर ऐसे परिवारों को भी योजना का लाभ दिया जाए ताकि उन्हें कच्चे मकान की जगह पक्का मकान मिल सके।

नगर परिषद अध्यक्ष गगनदीप कौर ने बताया कि पीएमएवाई टीम लगन से कार्य कर रही है। कोई भी लाभार्थी बिना जानकारी किसी बायोमेट्रिक मशीन पर अंगूठा ना लगावे तथा अपने बैंक में जाकर ही राशि निकलवाये। आयुक्त राकेश अरोड़ा ने कहा कि पीएमएवाई के तहत प्राप्त राशि से लाभार्थियों के कच्चे मकान अब पक्के बनेंगे। लाभार्थी अपने मकान का निर्माण दिसम्बर 2024 तक पूर्ण कर लेवें।

फसलों का उत्पादन घटने से किसान मायूस

सादुलशहर, (कासं)। सादुलशहर क्षेत्र में इस बार सावणी फसल (खरीफ सीजन) में फसलों का उत्पादन किसानों के अनुमान से कम निकलने से किसानों के चेहरों पर मायूसी है। इस बार मूंग व ग्वार फसल का रकबा गत वर्षों की अपेक्षा बढ़ा है व नरमा-कपास की फसल का रकबा घटा है।

प्रभावित किसानों ने बताया कि इस बार मूंग की फसल का उत्पादन अच्छा होने का अनुमान था। मूंग की फसल इस वर्ष किसानों की मुख्य फसल थी, लेकिन फसल के पकाव पर मानसून की बरसात होने के कारण हरी फलियों में फंगस रोग का कुप्रभाव पड़ जाने से खड़ी फसल में पीलापन आ गया। लगातार बरसात के कारण फसल की गुणवता बुरी तरह प्रभावित हो गई है। इस कारण अब इस फसल के प्रति बीघा क्षेत्र का औसतन उत्पादन 1 से 2 क्विंटल ही निकल रहा है। फसल की गुणवत्ता खराब होने व समर्थन मूल्य पर अभी तक खरीद शुरू नहीं होने के कारण खुले बाजार में बहुत कम भाव मिल रहे हैं। किसानों को आर्थिक रूप से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जागरूक किसानों ने बताया कि

- **बारिश अधिक होने व तापमान बढ़ने से नरमा फसल में ज्यादा नुकसान**

नरमा की फसल को लेकर बताया कि गत वर्ष गुलाबी सुण्डी की मार से अभी किसान उभरे ही नहीं थे कि इस बार नरमा फसल का बीजान्त क्षेत्र कम हुआ है। फिर भी यह फसल बीजांत के प्रथम चरण में ठीक दिख रही थी व गुलाबी सुण्डी भी ना के बराबर थी। अब फसल पकाव के कगार पर आकर बिल्ट रोग (खड़ी फसल झुलसना) से बुरी तरह प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही गत एक सप्ताह से दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने से नरमा फसल को भारी नुकसान हो रहा है व खड़ी फसल झुलसने लगी है। किसान रविन्द्र कुमार आदि ने बताया कि इस बार मूंग की फसल का बीजांत क्षेत्र अधिक है। किसानों ने कॉटन फसल के विकल्प के रूप में ग्वार फसल की बीजांत भी बड़े कृषि क्षेत्र में की है।

रेशो देवी की मदद को पहुंचा परिषद का स्टॉफ

हनुमानगढ़, (कासं)। खुंजा निवासी रेशो देवी के परिवार की आर्थिक मदद के लिए कुछ लोग सामने आए। इस दौरान पूर्व उपसभापति नगीना बाई ने 5500 रूपये तथा नगर परिषद कार्यालय जंक्शन के प्रभारी गंगाराम ने 5500 रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

संविदा कार्मिक विकास धूडिया ने 500 रूपए का सहयोग परिवार को दिया। सूरज कंडा, गगन गिल, महेश वर्मा, सोनू सेतिया, गुरदीप सिंह लखेसर, कालो देवी आदि की मौजूदगी में सहयोग राशि सौंपी गई। इससे पहले भी पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल के आग्रह पर लोग परिवार को राशन सहित अन्य सामग्री आदि का सहयोग दे चुके हैं। पीड़ित युवक को एक संस्था के सहयोग से ट्राईसाइकिल की सुविधा भी दी गई है। मनोज बड़सीवाल ने कहा कि जरूरतमंद की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। पीड़ित परिवार की मदद के लिए मैं हमेशा तत्पर रहूंगा। रेशो देवी का 22 वर्षीय नाती करीब चार-महीनों से बिस्तर पर पड़ा है। कमाने-खाने की उम्र में उसके रीढ़ की हड्डी टूट गई है। वह लम्बे समय से बिस्तर पर पड़ा हुआ है। दर्द से तड़पते इस युवक की व्यथा जानने के बाद लोग इस परिवार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

पांच विद्यार्थियों का किया सम्मान

बीकानेर, (कासं) 68वीं जिला स्तरीय शतरंज खेलकूद प्रतियोगिता 19 वर्ष छात्र वर्ग में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोतीगढ़ के पांच विद्यार्थियों ने भाग लिया। उनका मनोबल बढ़ाने के लिए विद्यालय में उनका सम्मान किया गया।

विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक मोहर सिंह सलावद द्वारा बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम सहित सांस्कृतिक, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन, नियमित विद्यालय आने विद्यार्थियों को मैडल, स्मृति चिन्ह व पाठ्य सामग्री दी जाती है। विद्यालय के पांत्र छात्र विक्रम, छगन लाल, रामू सिंह, अनवर अली, आशुराम का सम्मान किया गया।

गंगानगर इलाके में डेंगू व मलेरिया ने पैर पसारे

श्रीगंगानगर, (कासं)। इलाके में डेंगू ने अब रफ्तार पकड़ ली है। सरकारी अस्पतालों में यह आंकड़ा भले ही गिनती का हो लेकिन संभावित डेगूं रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वहीं मलेरिया बुखार के पीडित रोगियों की संख्या ज्यादा हो गई है।

जिला चिकित्सालय में पिछले एक सप्ताह में डेंगू के पांच नए रोगी सामने आए हैं। जिला अस्पताल में कुल 246 रोगियों की जांच हो चुकी है। इसी प्रकार मलेरिया का आंकड़ा भी बढ़ता जा रहा है। प्राइवेट हॉस्पिटल में डेंगू, मलेरिया और टायफाइड के रोगी ज्यादा पहुंच

- **स्वास्थ्य विभाग ने कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी है**

रहे हैं। मौसमी बीमारियों की बढ़ती संख्या पर अब राज्य सरकार अलर्ट हो गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर निदेशालय ने पूरे प्रदेश के सीएमएचओ को आदेश जारी कर मौसमी बीमारियों के बचाव एवं नियंत्रण के दृष्टिगत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर तुरन्त प्रभाव से रोक लगा दी है।

विशेष परिस्थितियों में अवकाश सक्षम स्तर की पूर्व अनुमति से ही देय हो सकेगा। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि निदेशक ने स्पष्ट आदेश दिए हैं कि चिकित्सक या अधिकारी या कार्मिक सक्षम स्तर से अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोडेंगे। जिन चिकित्सालयों में मौसमी बीमारियों के कारण रोगी भार में अत्यधिक वृद्धि हो रही है, वहां इसके लिए पृथक से विशेष ओपीडी संचालित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मारवाड़ी घोड़ों के संरक्षण पर राष्ट्रीय स्तर का नस्ल संरक्षण पुरस्कार जीता : प्रो. दीक्षित

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र पर आज केन्द्र का 36 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ एस. सी. मेहता ने कहा कि पिछले एक वर्ष में इस केन्द्र ने राष्ट्रीय स्तर के कई अनुसंधान कार्य किए हैं एवं कई पुरस्कार भी जीते हैं।

इस एक वर्ष में केन्द्र ने देश को घोड़ों की आठवीं नस्ल 'भीमथड़ी' दी, मारवाड़ी घोड़ों के संरक्षण पर राष्ट्रीय स्तर का नस्ल संरक्षण पुरस्कार जीता एवं अभी हल ही में राज शीतल नाम की बच्ची का जन्म विट्रीफाइड भ्रूण प्रत्यर्पण तकनीक से हुआ। उन्होंने केन्द्र की उपलब्धियों के साथ-साथ घोड़े को आम जनता से जोड़ने के जो प्रयास पिछले 5-6 वर्षों में किए गए उनके बारे में बताते हुआ कहा कि यहां अश्व पर्यटन प्रारंभ किया गया।

अश्व प्रतियोगिताएं को अंतर राष्ट्रीय ऊंट उत्सव में सम्मिलित करवाया गया एवं एनसीसी के साथ अश्व खेलों का आयोजन भी करवाया

अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के 36 वें स्थापना दिवस समारोह को कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ने संबोधित किया।

गया। आज की अश्व प्रतियोगिताएं भी उसी दिशा में बढाया गया एक कदम है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजुवास एवं महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने कहा कि अक्सर अनुसंधान संस्थान का आम जनता से जुड़ाव कम होता है लेकिन आपके संस्थान ने यह कार्य अच्छा कर रखा है। उन्होंने इस प्रकार के आयोजनों को इवेंट के रूप में आयोजित करने पर बल दिया। इस अवसर पर

- **अश्व अनुसंधान केन्द्र ने 36 वां स्थापना दिवस मनाया**

अतिथियों ने डॉ मेहता द्वारा संपादित दो महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन भी किया। अश्व प्रतियोगिताएं करवाई गई। डॉ रमेश देदड़ ने बताया कि घोड़ियों में भव्या, बीकानेर प्रथम स्थान पर रही, द्वितीय स्थान पर पंकज दीपावत एवं बाबूदान की घोड़ी रही।

अच्छा घोड़ा श्रेणी में प्रथम स्थान पर अजित सिंह आडसर का घोड़ा एवं द्वितीय स्थान पर प्रदीप सिंह चौहान का घोड़ा रहा। सर्वश्रेष्ठ फिली अजय आचार्य की रही। आज की अश्व प्रतियोगिताओं के निर्णायक प्रो. प्रवीण बिश्नोई, जोरावर सिंह चौहान एवं प्रो. राजेश नेहरा थे। सभी निर्णायकों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए।

नशे की प्रवृत्ति से बढ़ रही है मानसिक बीमारी : पी. के. सैनी

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से बीकानेर साइक्रेटिक सोसायटी तथा इंडियन साईक्रेटिक सोसायटी नॉर्थ जोन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर रोड स्थित श्रीगणेशम रिसोर्ट में शनिवार को शुभारंभ किया गया।

पीबीएम अधीक्षक डॉ. पी.के. सैनी ने कहा कि आज आमजन में नशे की प्रवृति बढती जा रही है जिसका महत्वूर्ण कारण मानसिक रोग है। इस पर हमें सजगता से कार्य करना होगा। कांफ्रेंस की थीम कल्चार मिल्यू एवं मेंटल इलनेस रही। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक तथा इस कान्फ्रेंस के मुख्य संरक्षक डॉ. गुंजन सोनी इंडियन साइक्रेटिक सोसयटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्ष्मीकांत राठी, इंडियन साइक्रेटिक सोसायटी नॉर्थ जोन के अध्यक्ष ममता सूद व अन्य अतिथियों सहित डॉ. अच्युत त्रिवेदी, डॉ. श्रीगोपाल गोयल व डॉ. हरफूल बिश्नोई ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

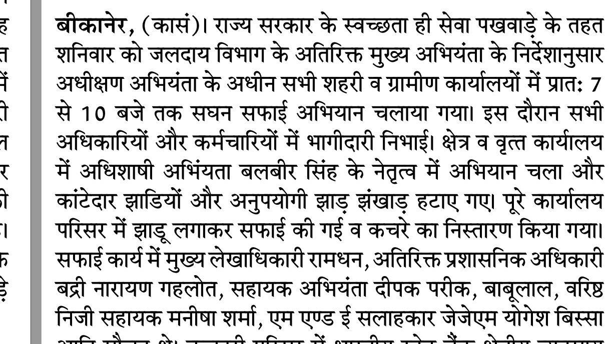

साईक्रेटिक सोसायटी नॉर्थ जोन की कांफ्रेंस में सोविनियर व दो पुस्तकों का विमोचन प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी व लक्ष्मीकांत राठी ने किया।

कांफ्रेंस के संरक्षक डॉ. के.के. वर्मा तथा डॉ. अशोक सिंघल ने कांफ्रेंस में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंचस्थ अतिथियों द्वारा सोविनियर और स्टेलवॉल्ट की दो पुस्तकों का विमोचन किया। इंडियन साइक्रेटिक सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत राठी ने अपने उद्बोधन में राजस्थानी संस्कृति की तारीफ करते हुए कहा कि इसकी मिट्टी में वो जादू है जहां हर कोई रहना पसंद करेगा। आईपीएस के सचिव डॉ. अमृत पत्तोजोशी ने नॉर्थ जोन द्वारा साइक्रेटिक क्षेत्र में किये जाने वाले कार्यों को प्रोत्साहित किया।

इंडियन साइक्रेटिक सोसायटी नॉर्थ जॉन की अध्यक्ष डॉ. ममता सूद ने अपने कार्यकाल में आयोजित विभिन्न कांफ्रेंस के अनुभव साझा किये।